महाशिवरात्रि : शिव बारात में रमे भक्त, दूल्हा बने महादेव

अघोरी, भूतों के साथ देवी : देवताओं स्वरुप में कलाकारों ने मोहा मन

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी पर रविवार को समूचे अंचल में शिवभक्ति की बयार बही। सुबह से देरशाम तक भक्त शिवभक्ति में रमे नजर आए। शहर की ग्रीन गोल्ड कॉलोनी में विराजित पूर्णेश्वर महादेव, सीता विहार कॉलोनी में नर्मदेश्वर महादेव, ज्योति नगर में ज्योतेश्वर महादेव को दूल्हा स्वरुप में सजाया गया। इस दौरान भव्य शिव बारात निकालकर शिव भक्तों ने शिव-पार्वती विवाह का आयोजन भी किया। महापर्व को लेकर मंदिरों और शिवालयों को रंग- बिरंगी रोशनी सहित फूलों से सजाया गया। श्री नीलकंठ महादेव मंदिर डीआरपी लाइन में पुजारी संतोष शर्मा ने शिवाभिषेक किया। यहां अजय तिवारी मित्र मंडल ने मंदिर में फूलों से भव्य सजावट की जो आकर्षण का केंद्र रही। महाशिवरात्रि पर सुबह 11 बजे टेगौर पार्क से झाकियों के कारवें के साथ शिव बारात निकली, जिसमें महादेव की महिमा का बखान करते सैंकड़ों लोग बाबा भोलेनाथ के बराती बने। कोई शरीर पर भस्म, कोई शंख तो कई डमरू तो कोई बिगुल बजा रहा था। मृगछाल और रुद्राक्ष की मालाएं पहने, जटाधारी, विशालकाय हनुमान जी, शिवजी के साथ ही भालू की वेशभूषा में शामिल हुए कलाकारों ने शोभायात्रा को भव्यता प्रदान की। शिवशक्ति के साथ ही दुल्हा बने श्री नीलकंठेश्वर महादेव की मुख्य झांकी ने श्रद्धालूओं का मन मोह लिया। शिव बारात न केवल धार्मिक बल्कि लोक संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक भी रही। पत्रकार अनवर जिंद्रान मित्र मंडल सहित 20 से अधिक स्थानों पर शिव बारातियों के स्वागत में फलिहारी एवं फल वितरण कर सामाजिक समरसता और कौमी एकता का संदेश दिया।

71 फीट ऊंचे शिखर पर बदला ध्वज:- भावसार मोहल्ला स्थित अधिष्ठाता देव सिद्धनाथ महादेव मंदिर में भी शिव भक्ति की बयार बही। मंदिर समिति अध्यक्ष मनोज भावसार ने बताया कि प्रात: 3 बजे से श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट खुले। प्रात: 4 बजे रुद्राक्ष मित्र मंडल द्वारा भगवान श्री सिद्धनाथ महादेव जी का पंचामृत से रूद्राभिषेक कर श्रृंगार आरती की। वही दोपहर 12 बजे मल्लीवाल परिवार द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मंदिर के 71 फिट ऊंचे शिखर पर नवीन ध्वजारोहण किया। 71 किलों साबूदाने की खिचड़ी का वितरण किया गया। शहर के प्रमुख शिवालय ऋणमुक्तेश्वर महादेव, नीलकंठेश्वर महादेव, आशुतोष महादेव, पशुपतिनाथ महादेव सहित कसरावद रोड़ पर त्रिवेणी संगम स्थित मेलडेरेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन, पूजन के लिए लंबी कतारें लगी रही। महिलाओं ने भी पूजन, दर्शन, अभिषेक के बाद बिलास बत्ती जलाकर परिवार की सुख- समृद्धि की कामना की।

बड़वाह में महाशिवरात्रि पर शिवालयों में भीड़

बड़वाह, निप्र। महाशिवरात्रि के पर्व पर शहर व ग्रामीण क्षेत्र के शिवालयों में आज सुबह से ही दर्शन हेतु भीड़ लगी। शिवालयों में स्थापित शिवलिंग के दर्शन पूजन और अभिषेक के लिए लंबी-लंबी कतारें लगती रही जब आरती हुई तब भीड़ नहीं समा रही थी वहीं महाशिवरात्रि के अवसर पर बड़वा के अन्य जगहों के महिलाएं दर्शन करने आई अति प्राचीन तीर्थ विमलेश्वर में शिव पार्वती जी की झांकियां निकाली गई की यात्रा भी होती है जिसके चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु विमलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर आरती का आनंद लियासे गुजरते हैं जिससे वाहनों की अत्यधिक आवाजाही के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने विमलेश्वर के शिवालयों में प्रसादी का आनंद लिया है। विमलेश्वर ग्रामीणके मनोकामेश्वर महादेव मंदिर शिव पिपलेश्वर महादेव मंदिर स्थित शिव मंदिर, शिव मंदिर, पंचेश्वर महादेव मंदिर सहित शहर की विभिन्न कालोनियों में बने शिव मंदिरों में इस अवसर पर विशेष आयोजन किए गए वहीं शहर में शिव मंदिरों के अतिरिक्त अनेक जगहों पर फरीयाल के स्टाल लगाए गए । शहर में स्थित शिवालयों में साबूदाने की खिचड़ी, आलू का हलवा, शकरकंद हलवा बांटा श्रद्धालुओं हेतु शुद्ध पेयजल व चाय के स्टाल भी लगाए गए। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर भगवान शिव के विशेष श्रृंगार देखनेको मिले हैं वहीं मंदिरों पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई बम भोले के नारों के साथ महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं का उत्साह बहुत अधिक तालाब में पधार के दर्शन किए गए।

रविवार को शिवरात्रि पर्व को लेकर भक्तों में आपार उत्साह उमंग देखा

बिस्टान, निप्र। रविवार को यहां शिवरात्रि पर्व को लेकर भक्तो में आपार उत्साह उमंग देखा गया ।सुबह से ही पूजा थाल लेकर श्रद्धालु शिवालयों के दर्शन के लिए पहुंचे । जल अभिषेक कर भोलेनाथ से आशीर्वाद लिया। भगवानपुरा क्षेत्र के प्रसिद्ध शिवालयों में से मार्कण्डय ऋषि तपो भूमि स्थल पर विराजमान न्नेशवर महादेव एव गुफा में विराजित सिरवेल महादेव में आस्था एव श्रद्धा की भीड़ उमड़ी इन शिवालयों में भंडारे का आयोजन भी स्थानीय समिति के द्वारा किया गया । वही अनकवाडी नाका स्थित रत्नेशवर महादेव मंदिर परिसर में विगत कई वर्षों से श्रद्धालुओ के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। श्रदालुओं लिए फलाहार खिचड़ी चाय एव शुद्ध जल का वितरण किया जाता है। उक्त कार्यकर्म पर्यावरण समिति हनुमान समिति द्वारा किया जाता है। नगरीय परिषद में शांति एव नगर कल्याण के लिए पंडित राम गुरु द्वारा यजमान नितिन मिश्रा सपत्नीक भोलेनाथ का रुद्र अभिषेक कर पूजन अर्चन किया गया । तदपश्चात भंडारे का कार्य शुरू किया गया । नगर के डेरेश्वर मंदिर व अन्य मंदिरों को फूलों व विद्युत रोशनी से सजाया गया।

ब्रहाकुमारियों ने कलश यात्रा निकाल दिया ईश्वर भक्ति का संदेश

खरगोन, निप्र। प्रजापिता ब्रहाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा महाशिवरात्रि पर शोभायात्रा कलश यात्रा निकाली। इस दौरान भगवान शिव का संदेश प्रचारित किया गया। यात्रा का शुभारंभ राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी किरण दीदी ने शिव ध्वज फहराकर किया। कलश यात्रा जवाहर मार्ग से शुरू होकर श्रीकृष्ण टॉकिज तिराहा, बस स्टैड, सनावद रोड़ भोकले कॉलोनी होते हुए अन्नपूर्णा नगर स्थित प्रभु चिंतन भवन पर पहुंची। यात्रा में लक्ष्मी नारायण जी सुंदर झांकी भी निकाली गई जो जन सामान्यत के आकर्षण का केद्र रही। ब्रह्मकुमारी किरण दीदी ने केंद्र पर ध्वजारोहण किया। इस दौरान दीदी ने अपने संदेश में कहा कि जब-जब धरा पर अज्ञानता का अंधकार छा जाता है तब-तब निराकार परम पिता परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण होता है। उन्होंने शिव भक्तों को ईश्वर से जुडने के लिए अध्यात्म एवं भक्ति मार्ग की राह प्रशस्त की। उन्हें कहा योग, अध्यात्म के माध्यम से क्रोध, अहंकार, त्यागकर जीवन को धन्य किया जा सकता है।

बड़वाह प्रवास पर न्यायमूर्ति राजेश गुप्ता के आगमन पर किया स्वागत एंव अभिनंदन किया

बडवाह, निप्र। बडवाह में वर्ष 2009-2012 में अतिरिक्त जिला एंव सत्र न्यायाधीश के रूप में पदस्थ जिन्हें बडवाह क्षेत्र को अपनी सेवा प्रदान की वर्तमान में म प्र उच्च न्यायालय ग्वालियर खंड में न्यायमुर्ति के रूप में पदस्थ है उकारेश्वर प्रवास के दौरान बडवाह आगमन पर बडवाह अधिवक्ता संघ के सदस्यों एंव न्यायलयिन कर्मचारियों द्वारा स्वागत एंव अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मुख्य प्रेरणा दायी उदबोधन न्यायमुर्ति राजेश कुमार गुप्ता, अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश अविनाश शर्मा, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रणय गांवशिन्दे, अधिवक्ताद्वय शिवकुमार बाजपेयी, सुभाष पुराणिक, जितेंद्र पाटीदार, सुनिल नरिया, जितेंद्र सेन, आदि ने अपने विचार व्यक्त किऐ कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र अमई एंव आभार अनुराग अवस्थी ने व्यक्त किया। न्यायमुर्ति श्री राजेश कुमार गुप्ता को अधिवक्ता शिवकुमार बाजपेयी, व्ही एस गावशिन्दे, सुभाष पुराणिक, जितेंद्र पाटीदार एंव समस्त अधिवक्ता की और से श्री द्वादश ज्योतिर्लिंग का चित्र भेट उनका अभिनंदन किया ! कार्यक्रम में रामकृष्ण शर्मा, आर सी हिरवे, मैत्रेय शर्मा, श्याम प्रजापति, गोपाल चौहान, ऐश्वर्य उमडेकर, शहजाद खान, टी आर राठौर, निरज शर्मा, पुणिमा सोनी, राकेश शिवपुरे, रोहित सालुका, ललीत बर्वे, योगेश सोनी आदि अधिवक्तागण एंव न्यायालय स्टाप उपस्थित थे।

शिवरात्रि के पवन पर्व पर नंदेश्वर महादेव मंदिर में गूंजा हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ

मंडलेश्वर, निप्र। श्रीनगर कॉलोनी स्थित नंदेश्वर महादेव मंदिर में त्रिशूल सेना की टीम द्वाराभक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं द्वारा हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया, साथ ही सुंदरकांड श्री खेड़ापति हनुमान भजन मंडली मंडलेश्वर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीनगर कॉलोनी के सभी भक्तगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव और हनुमान जी की आराधना कर सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की त्रिशूल सेना के सदस्यों ने बताया कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता और सद्भावना को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और सभी भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंदिर परिसर देर रात तक भक्तों की उपस्थिति से भक्तिमय रहा और मंदिर प्रांगण में 'जय श्रीराम' व 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा।

भगवान परशुराम जी की जयंती को विप्र समाज द्वारा हर्षोल्लास एवं भव्य स्तर पर मनाए

बड़वाह, निप्र। आगामी अप्रैल माह में भगवान परशुराम जी की जयंती को विप्र समाज द्वारा हर्षौल्लास एवं भव्य स्तर पर मनाए जाने हेतु सर्व ब्राह्मण समाज महासभा की अलग अलग इकाई का पुनर्गठन किया जा रहा हे। शनिवार 14 फरवरी को कंवर कॉलोनी स्थित मंदिर में सर्व ब्राह्मण महिला मंडल की बैठक संपन्न हुई। जिसमें समाज की मातृ शक्ति के रूप में सक्रिय महिला सदस्य मौजूद रही। जिसमें सर्व सहमति से श्रीमती भारती व्यास को अगले 2 वर्ष के लिए सर्व ब्राह्मण समाज की महिला मंडल इकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। श्रीमती व्यास को पूर्व अध्यक्ष श्रीमती किरण जोशी ने पुष्पमाला पहनाकर पदभार सौंपा एवं बधाई दी। इस अवसर पर महासभा अध्यक्ष पं. रघुनंदन शर्मा, युवा वाहिनी अध्यक्ष पं .पीयूष शर्मा, पं. कमल व्यास, पं. पंकज पाठक, पं. अनिल कानूनगो पं. विवेक भालके, श्रीमति शैलजा पंडित, श्रीमति सुमित्रा दुबे, श्रीमति शिखा पाराशर, श्रीमति रिचा दुबे, श्रीमति मनीषा शर्मा श्रीमति भारती चौरे ने भी उपस्थित होकर श्रीमती व्यास को बधाई दी।

एक नजर में

सीरवी समाज ने 156 प्रसादी का भोग लगाकर शिवरात्रि पर्व मनाया

गोगावा, निप्र। मुख्यालय के साथ ही अंचल में महा शिवरात्रि पर्व उत्साह से मनाया गया शिव मंदिरों में सुबह से शाम तक दर्शनार्थियों की भीड़ मौजूद रही पर्व पर विशेष आयोजन किए गए उधर समीपस्थ ग्राम सुरपाला में सीरवी समाज मोहल्ले के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में माता बहनों द्वारा बाबा महाकाल को हल्दी मेंहदी की रस्म की गई बाबा को 156 प्रसादी का भोग लगाकर पूजा अर्चना कर धूप बत्ती की गई गई गांव की माता बहनों द्वारा मंदिरों मे दिनभर भजन कीर्तन किए गए क्षेत्र में महाशिवरात्रि पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दो दिनों से गांव के शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि पर्व मनाने की तैयारियां चल रही थी इस दौरान गांवो में आनंद का माहौल भी था। सुरपाला ग्राम के भारत सीरवी गजानंद प्रकाश उतम ने बताया कि इस मंदिर की विशेषता यह है की यहां बने शिवलिंग वर्षो पहले धरती से प्रकट हुए थे बताया यह भी जा रहा है कि खुदाई के दौरान एक पत्थर शिवलिंग जैसा निकला था जिसे गांव के बड़े बुजुर्गो के कहे अनुसार इस मूर्ति को पूजनीय मानकर इसे इसी स्थान पर स्थापित कर दिया गया था। वही जो भी भक्त महाशिवरात्रि पर्व पर यहां आकर बाबा महाकाल से मन्नत मांगता है उसकी मन्नत पूरी भी होती है। ग्राम के लोग इस दिन प्रसादी भंडारे का आयोजन भी करते हैं।

बाहुबली भगवान को निर्माण लाडू अर्पण कर मोक्ष कल्याणक मनाया

सनावद, निप्र। नगर के गौरव परम पूज्य वात्सल्य वारिधी पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज के आशीर्वाद से 23 वर्ष पूर्व स्थापित हुवे दि.जैन श्री क्षेत्र सिद्धाचल पोदनपुरम में भगवान बाहुबली का प्रतिष्ठापना महोत्सव एवम भगवान बाहुबली को निर्वाण लाडू आर्यिका आगम मति माता जी सानिध्य में अर्पण किया गया। सन्मति जैन काका ने बताया की आचार्य सुनील सागर जी महाराज की परम शिष्या आर्यिका आगम मति माताजी के सानिध्य में प्रात: सर्वप्रथम भगवान बाहुबली का पंचामृत चरणा अभिषेक वारिश जैन, हेमंत काका, संदीप जैन, प्रशांत चौधरी,सुधीर जैन ने किया एवम ततपश्चात भगवान बाहुबली का महापूजन किया गया जिसमें अलग अलग परिवारों के द्वारा अर्ध्य समर्पित किए।इस अवसर पर शांति धारा करने का अवसर मुन्ना लाल जी सागर रजनीश कुमार जैन को प्राप्त हुआ वही भगवान को मुख्य निर्वाण लाडू चढ़ाने का शोभाग्य सार्थक प्रफुल्ल सलीत कुमार जैन परिवार को प्राप्त हूवा।इस अवसर पर आर्यिका माताजी ने कहा की भगवान बाहुबली जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) के पुत्र और भरत चक्रवर्ती के छोटे भाई थे, जिन्हें अहिंसा और महान तपस्या का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने अपने भाई से युद्ध के बाद सांसारिक जीवन त्यागकर 1 वर्ष तक कायोत्सर्ग मुद्रा में ध्यान किया, जिससे वे 'केवली' (सर्वज्ञ) बने।वे अयोध्या के राजा थे और उनकी दो रानियां थीं एक रानी से 99 पुत्र और एक पुत्री तथा दूसरी से गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली तथा एक पुत्री सुंदरी थी. बाहुबली का अपने ही भाई भरत से उनके शासन, सत्ता के लोभ तथा चक्रवर्ती बनने की इच्छा के कारण दृष्टि युद्ध, जल युद्ध और मल्ल युद्ध हुआ था.इसमें बाहुबली विजयी रहे, लेकिन उनका मन ग्लानि से भर गया और उन्होंने सब कुछ त्यागकर तप करने का निर्णय लिया अत्यंत कठिन तपस्या के बाद वे मोक्षगामी बने. जैन धर्म में भगवान बाहुबली को पहला मोक्षगामी माना जाता है । उन्होंने एक वर्ष तक स्थिर खड़े होकर (कायोत्सर्ग) ध्यान किया, जिस दौरान उनके शरीर पर लताएं और सर्पो ने वामियां (बांबी) बना ली थीं।क्षेत्र ट्रस्टी वारिश जैन ,संजय जैन एमपीईबी ने बताया की सिद्धाचल पोदनपुरम की स्थापना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आज से 23 वर्ष पूर्व भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा करवा कर की गई थी ।शैलेन्द्र जैन रक्षित जैन ने बताया की बाहुबली भगवान का शास्त्रों में निर्वाण तिथी का कोई भी उल्लेख नही है इस लिये पूरे भारत देश सिर्फ सिद्धाचल पोदनपुरम में प्रतिष्ठापना दिवस के दिन ही बाहुबली भगवान को यहाँ निर्वाण लाडू चढ़ाया जाता है।इस अवसर पर इंजी .मनोज जैन, हेमंत काका, लवीश पाटनी, आशीष जैन, अक्षय जैन, अश्विन जैन ,संयम जटाले, हितेश जैन,प्रदीप पंचोलिया, मुन्ना भाईजैन,विशाल जैन, बब्लू जैन,सुनील जैन, कुसुम काका,आशीष झांझरी ,अंजू पाटनी, संगीता पाटोदी, स्वाति जैन, पूर्णिमा जैन प्रियकां पंचोलिया, पुष्पा लाठिया, हिनल पारिख,दीप्ति जैन, रागिनी जैन,सहित सनावद मंडलेश्वर, बडवाह ,इंदौर के सभी समाज्जन उपस्थित थे। इस मंगल अवसर पर आर्यिका माताजी को आहारदान देने का सौभाग्य पुष्पा सुनील पावणा परिवार को प्राप्त हुआ इस मौके पर अमर ज्योति बस परिवार के द्वारा निशुल्क बस व्यवस्था रखी गई थी।

आर्यिका आगम मति माताजी का हुआ नगर में मंगल प्रवेश

सनावद, निप्र। तप त्याग एवं संयम के लिए जाने वाले नगर सनावद में आचार्य श्री सुनील सागर महामुनिराज की शिष्या आर्यिका श्री आगम मति माताजी का मंगल प्रवेश श्री क्षेत्र पोदनपुरम से सनावद नगर सनावद में हुआ। सन्मति जैन काका ने बताया की आर्यिका माताजी पिछले एक माह से निरंतर धर्म प्रभावना कर रही थी सभी समाजजनों ने ट्रेंगल चौराहे पर पहुंच कर आर्यिका माताजी की आगवानी की। इस अवसर पर मुकेश जैन, कमलचंद जैन,प्रशांत चौधरी, वंदना जैन सहित अनेक समाजजन उपस्थित थे।

सेवालाल महाराज का 287 वा जन्मोंत्सव एव शोभा यात्रा बड़े धूमधाम एवं सादगी पूर्व मनाया

बिस्टान, निप्र। आगामी खरगोन जिले में संत शिरोमणि सेवालाल महाराज शिवा बाबा का 287 वा जन्मोंत्सव एव शोभा यात्रा बड़े धूमधाम एव सादगी पूर्व मनाया जाएगा। यह आयोजन खरगोन अनाज मंडी परिसर में 18 फरवरी को बुधवार 10बजे रखा गया। इस आयोजन को लेकर समीतिया बनाई गई इसके लिए समाज के प्रतिनिधिजन गांव गांव टांडे घूम कर न्योता दिया जा रहा है।और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आह्वान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को लेकर रविवार को एक प्रतिनिधि मंडल बिस्टान आया यहां ग्राम के प्रहलाद पटेल, विकास पटेल, संतोष नायक, बबलू नायक, धर्म राज राठौर, को आमंत्रण पत्र देकर न्योता दिया गया।

एक नजर में

ग्रामीणा क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने मंडलेश्वर के नवनिर्मित सुंदर घाट पर स्नान कर शिवालयों में पूजा अर्चना की

नर्मदा स्नान कर महिलाओं ने लगाई शिवबत्ती ,काशी विश्वनाथ मंदिर में हुआ महागणपति रुद्र यज्ञ

कमलेश सिहं चौहान

मंडलेश्वर, निप्र। भगवान परशुराम द्वारा स्थापित मलशमनेश्वर और आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित मंडनेश्वर शिवालय प्राचीन गुप्तेश्वर सहित नगर के सभी मंदिरों पर पहुंचे शिवभक्त किया अभिषेक ,महिलाओं ने लगाई शिवबत्ती और गाए भजन । महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर पवित्र नगरी शिवमय हो गई आस्था का ऐसा सैलाब नर्मदा तट पर उमड़ा की सुबह से लेकर शाम तक भक्तों की भीड़ लगी रही।ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने मंडलेश्वर के नवनिर्मित सुंदर घाट पर स्नान कर शिवालयों में पूजा अर्चना की। शिवबत्ती लगाने वाली महिला भक्तों के दल हर मंदिर के बाहर बत्ती लगाकर भजन कीर्तन करते रहे।नगर के पौराणिक मल शमनेश्वर मंदिर का नव निर्माण जारी है वहां भी भक्तों ने शिव जी का अभिषेक किया महिला भक्तों ने शिव बत्ती लगाई।पेशवकालीन काशी विश्वनाथ मंदिर , सीटहरि हरेश्वर मंदिर गंगाझीरा मंदिर तुकेश्वर महादेव मंदिर, श्रीराम मंदिर षडगणेश्वर मंदिर राधा कृष्ण मंदिर नर्मदा मंदिर कालेश्वर जालेश्वर रत्नेश्वर नगर के कसरावद मार्ग पर स्थित आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित मंडनेश्वर शिवालय पौराणिक गुप्तेश्वर शिवालय में भी भक्तों ने पूजा अर्चना की सभी शिवालयों में प्रसाद वितरण किया गया।

महागणपति रुद्र यज्ञ में शामिल हुए भक्त:- मंडलेश्वर के पेशवाकलीन काशी विश्वनाथ मंदिर में शिवरात्रि के अवसर पर गादीपति अनिल जागीरदार के सानिध्य में महागणपति रुद्र यज्ञ का आयोजन किया यह यज्ञ सनावद के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित दिनेश मोहरे ने सम्पन्न करवाया सुबह 10 बजे से 12 बजे एवं 12 बजे से 2 बजे तक यह यज्ञ चला जिसमें भक्तों ने आहुतियां डाली।

सड़क पर प्रसाद वितरण किया:- फांसी बैडी क्षेत्र में स्थित प्राचीन देवझिरी शिवलिंग पवित्र प्राकृतिक स्थल पर भी भक्तों ने पूजा अर्चना की । इस बार यहां प्रसाद वितरण नहीं हुआ देवझिरी से विगत 40 वर्षों से जुड़े शिवभक्त मनोज चार्ली ने बताया कि देवझिरी मंदिर तक जाने का रास्ता रोक दिया गया है तार फेंसिंग कर देने से वाहन नहीं जा पा रहे है इसलिए भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था कसरावद रोड पर की गई है। पहले देवझिरी तक चार पहिया वाहन भी आराम से जाते थे तार फेंसिंग होने से अब वहां पैदल जाना पड़ रहा है।

ब्रम्हकुमारी परिवार ने निकाली शोभायात्रा:- प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मंडलेश्वर द्वारा शिवरात्रि के अवसर पर बस स्टैंड से एक शोभायात्रा निकाली गई जिसमें रथ पर राधा कृष्ण विराजमान थे आगे एक ब्रह्मकुमारी हाथ में ध्वज लिए चल रही थी।